A–1240

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)–220

(मेलापक एवं विवाह)

3rd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रह मेलापक एवं भाव मेलापक विधि को उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
2. वश्य, तारा, भकूट दोष का परिहार लिखिए।
3. अष्टमभावस्थ मङ्गल दोष का विवेचन करते हुए उसके परिहार का उल्लेख कीजिए।
4. शास्त्रोक्त विवाह प्रकार का विस्तार से उल्लेख कीजिए।
5. वधू प्रवेश मुहूर्त्त पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. यामित्र दोष विचार का उल्लेख कीजिए।
2. कन्या एवं वर वरण मुहूर्त्त पर प्रकाश डालिए।
3. विवाह में सूर्य बल का विचार क्यों करते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
4. लता दोष विचार से आप क्या समझते हैं ?
5. शुक्र के बाल एवं वृद्धत्व का उल्लेख कीजिए।
6. राशियों के तत्व एवं स्वभाव का वर्णन कीजिए।
7. विवाह काल में ग्रह शुद्धि कैसे की जाती है ? स्पष्ट कीजिए।
8. ग्रहों के नैसर्गिक मैत्री का वर्णन कीजिए।

****